पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 16.09.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली—110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9810117464 पर एस.एम.एस कर दें या 9868051444 पर googlepay कर दें। —अनिल आर्य

वर्ष-41 अंक-08 आश्विन-2081 दयानन्दाब्द 201 16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.09.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

सादर निमंत्रण! सादर निमंत्रण! सादर निमंत्रण!

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में

141वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर

"भव्य संगीत संध्या"

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

गायक कलाकारः—

नरेंद्र आर्य 'सुमन' प्रवीण आर्य पिंकी सुदेश आर्या

कार्यक्रमः रविवार 10 नवम्बर 2024, शाम 4.00 से 7.30 बजे तक

स्थानः आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार, क्लब रोड, दिल्ली—110026

ऋषि लंगर रात्रि 7.30 बजे

विशेष आकर्षण— "आर्य महिला रत्न अवार्ड"

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

महेन्द्र भाई, राष्ट्रीय महासचिव अनिल आर्य, संयोजक (9868051444) धर्मपाल आर्य, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के 46वें राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन में दिनांक 1 सितम्बर 2024 को पारित प्रस्ताव

1. यह सभा देश में बढ़ती हुई अन्धविश्वास व पाखण्ड की घटनाओं पर चिन्ता व्यक्त करती है, आर्य समाज की युवा शक्ति को आह्वान करती है कि इसके विरूद्ध व्यापक जनजागरण अभियान चलाये। इलेक्ट्रोनिक्स चैनल से अनुरोध करती है कि वह समाज हित में भ्रामक विज्ञापन न दिखायें।
2. यह सभा केन्द्र सरकार का जम्मू कश्मीर से धारा 370 समाप्त करने के लिए धन्यवाद करती है और पूरे देश के लिये समान आचार संहिता लागू करने की मांग करती है।
3. अलगाववाद व आंतकवाद पूरी मानवता के लिये खतरा है, इसके पोषक तत्वों व संरक्षकों को सख्ती से कुचला जाये।
4. जीव हत्या विशेष कर गौ हत्या पर पूरे भारत में प्रतिबन्ध लगाया जाये।
5. आज की शिक्षा पद्धति में अत्यन्त सुधार की आवश्यकता है, उसमें नैतिकता, देश भक्ति, मानवीय गुणों का समावेश किया जाये जिससे चरित्रवान, संस्कारित, देश भक्त युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके।
6. कोई किनता भी करे परन्तु स्वदेशी राजा सर्वोतम होता है इसी भावना को लेकर स्वदेशी, संस्कृत और हिन्दी भाषा के प्रोत्साहन के लिय कार्य प्रणाली विकसित की जाये।
7. शराब व नशे की चीजें समाज के लिये घातक हैं, युवा पीढ़ी इससे बर्बाद हो रही है इससे उन्हें बचाने के लिय अधिकाधिक कार्य किया जाये और प्रचार विज्ञापन पर प्रतिबन्ध लगाया जाये।
8. शिक्षा पद्धति को रोजगार मूलक बनाया जाये जिससे युवा सम्मान पूर्वक रोजगार कर सकें और जातिगत आधार पर किसी भी प्रकार का आरक्षण समाप्त किया जाये।
9. गुरूकुलीय शिक्षा पद्धति व्यक्ति को शिक्षा के साथ साथ संस्कार प्रदान करती है उसे प्रोत्साहन देने की कार्य योजना बनायी जाये।
10. पश्चिमी बंगाल व देश के कई हिस्सों में हिन्दुओं पर हिंसा, अत्याचार व लव जिहाद की घटनायें बहुसंख्यक समाज के साथ अन्याय है, जहां हिन्दू अल्पसंख्यक है वहां उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाये, साथ ही जनसख्या नियंत्रण कानून लागु करने की मांग करते है।

महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री सम्पर्क— 09013137070

अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्पर्कः 09810117464

राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन की झलकियां

जम्मू के कपिल बब्बर का अभिनंदन करते अनिल आर्य, पिंकी आर्य, सौरभ गुप्ता व योगेन्द्र शास्त्री।
द्वितीय चित्र मे आचार्य आरक्षित शास्त्री का अभिनंदन करते देवेन्द्र भगत, दुर्गेश आर्य, राम कुमार आर्य।

कर्मठ कार्यकर्ता राधा भारद्वाज व सोनिया संजू के अभिनंदन का दृश्य। द्वितीय चित्र मे अतुल सहगल, राजेश मेहन्दीरत्ता, प्रवीण झा के अभिनंदन का दृश्य।

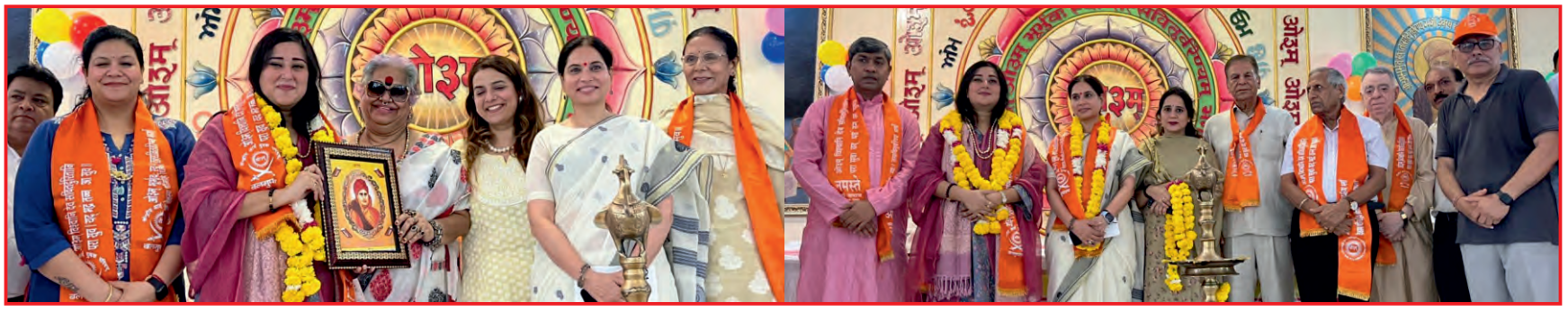

सांसद बांसुरी स्वराज का स्वागत करते आस्था आर्य, रूही बब्बर आदि।
द्वितीय चित्र में बांसुरी स्वराज का स्वागत करते आर्य समाज मालवीय नगर के अधिकारी।

पुरूषार्थी डॉ. सुनील रहेजा का अभिनंदन करते पिंकी आर्य, अनिल आर्य, आस्था आर्य।
द्वितीय चित्र माता राम प्यारी (अमर सिंह आर्य मंत्री आर्य समाज उत्तम नगर) की श्रद्धांजलि सभा नजफगढ़ में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आर्य समाज मालवीय नगर के प्रधान एच एन मिथरानी संबोधित करते हुए। द्वितीय चित्र सभागार का सुन्दर दृश्य।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 670वां वेबिनार सम्पन्न

'शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता है' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

शिक्षक बालक का शिल्पकार है –आचार्या श्रुति सेतिया

मंगलवार 3 सितम्बर 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'शिक्षक ही राष्ट्र निर्माता है' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 669 वां वेबीनार था।वैदिक विदुषी आचार्या श्रुति सेतिया ने कहा कि शिक्षक स्वयं जलकर शिष्य को प्रकाशित करता है।उन्होंने कहा कि शिक्षक वह जो शिष्य को शिक्षित करे, उसे ज्ञान दे,एक अच्छा सभ्य और सफल इंसान बनाए। आसान शब्द में कहें तो शिक्षक एक शिल्पकार होता है जो पत्थर को तराश कर सुंदर आकृति प्रदान करता है।एक अच्छा शिक्षक अपने छात्र का हमेशा भला चाहता है।शिक्षक में वो सारे गुण मौजूद होने चाहिएं,जो छात्र को क्षमतावान बना सके। सर्वप्रथम शिक्षक अपने छात्र को संस्कार की शिक्षा देते हैं ताकि बच्चे संस्कारवान बन सके। शिक्षक अपने छात्रों से देश प्रेम करना भी सिखाता है।देश हमें सब कुछ देता है जिसकी हमें आवश्यकता होती है,तो हमारा भी दायित्व हो जाता है कि हम भी देश के लिए कुछ विशेष करें। शिक्षक अपने छात्रों को उन्हें उनके कर्तव्यों तथा अधिकार के विषय में विस्तार से बताते हैं। एक प्रकार से देखा जाए तो एक शिक्षक अपने छात्रों को आग में तपा कर,सर्दी में ठिठुराकर तथा ज्ञान की वर्षा में भिगोकर उसे होनहार व्यक्ति बनाते हैं।उसका चरित्र निर्माण करते हैं,उसे संस्कारवान,अनुशासित तथा देश प्रेमी बनाते हैं।जिससे वह अच्छे समाज का निर्माण कर सकें। देश उन्नति के रास्ते पर आगे बढ़ सके। यह सब एक अच्छे शिक्षक की निशानी है।इसलिए एक शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा जाता है जो बिल्कुल सही है। मुख्य अतिथि शिक्षाविद जगदीश पाहुजा व अध्यक्ष कृष्णा पाहुजा ने भी शिक्षक के गुणों की चर्चा करते हुए उनके समाज निर्माण के प्रति समर्पण की सराहना की। परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, कौशल्या अरोड़ा, कृष्णा गांधी, जनक अरोड़ा, शोभा बत्रा, सरला बजाज, रविन्द्र गुप्ता के मधुर भजन हुए।

'राग द्वेष से दूरी जीवन में कितनी जरूरी' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

राग द्वेष शांति में रुकावट है –अतुल सहगल

मंगलवार 27 अगस्त 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'राग द्वेष से दूरी जीवन में कितनी जरूरी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 668 वां वेबनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि जीवन में शांति के लिए आवश्यक हैं कि राग द्वेष से दूर रहें।यह मानसिक विकार है मनुष्य को इनसे बचना चाहिए।उन्होंने विषय की भूमिका के रूप में कुछ तथ्य और विचार प्रस्तुत किये। तत्पश्चात इस विषय के प्रमुख बिंदु सामने रखे जो आज और भविष्य के सन्दर्भ में उल्लेखनीय हैं।आज विश्व में चारों तरफ भौतिकवाद का बोलबाला है। धन,वैभव,पद,यश व विभिन्न भौतिक पदार्थों की चकाचौंध में सामान्य व्यक्ति लिपटा और खोया हुआ है।क्योंकि सफलता सबको प्राप्त नहीं होती,इसलिए अधिकतर मनुष्य अशांत और दुखी हैं।यह स्थिति तब है जब मनुष्य की आत्मा सुखों की ही अभिलाषी है और समस्त दुखों से छुटकारा पाना चाहती है।इसका कारण बताते हुए राग और द्वेष की बात कही।राग को आसक्ति कह के परिभाषित किया और द्वेष के अर्थ को प्रस्तुत करते हुए उसे साधारण शब्दों में घृणा और नापसंदगी कहकर परिभाषित किया।वास्तव में राग और द्वेष ही हमारे सुख और शांति के सबसे बड़े शत्रु हैं और इन शत्रुओं को परास्त कर के अथवा इनको दूर कर के ही हम अपने लिए सुख और शांति निश्चित कर सकते हैं। राग से दूरी स्थापित करने के लिए सर्वप्रथम विवेक को जगाना अवश्यक है और विवेक का अर्थ वक्ता ने बुद्धि का सही व पूर्ण प्रयोग कह कर स्पष्ट किया।फिर द्वेष की चर्चा करते हुए यह तथ्य सामने रखा कि द्वेष का जनक क्रोध है।वास्तव में क्रोध मुख्य दोष या दुर्गुण है जिसकी संतानें द्वेष,ईर्ष्या और भय हैं।साधारण शब्दों में राग और द्वेष के दैनिक जीवन से अनेक उदाहरण प्रस्तुत किये।अंत में राग और द्वेष को दूर करने के उपायों की विस्तृत चर्चा की।राग से दूरी बनाने के लिए विवेक द्वारा सत्य ज्ञान ग्रहण करना आवश्यक है और द्वेष दूर करने के लिए क्रोध पर विजय पाना आवश्यक है।इन दोनों से दूरी बना के ही हम इस लोक और परलोक में सुख व शांति निश्चित कर सकते हैं।मनुष्य के परम लक्ष्य मोक्ष तक पंहुचने के लिए यह दूरी बनाना परमावश्यक है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री रजनी गर्ग व अध्यक्ष रजनी चुघ ने भी अपने विचार व्यक्त किए।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, कमला हंस, कौशल्या अरोड़ा, शोभा बत्रा, रविन्द्र गुप्ता, जनक अरोड़ा, संतोष धर आदि के मधुर भजन हुए।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

'हिन्दी दिवस' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

हिन्दी को दैनिक व्यवहार में लाये –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

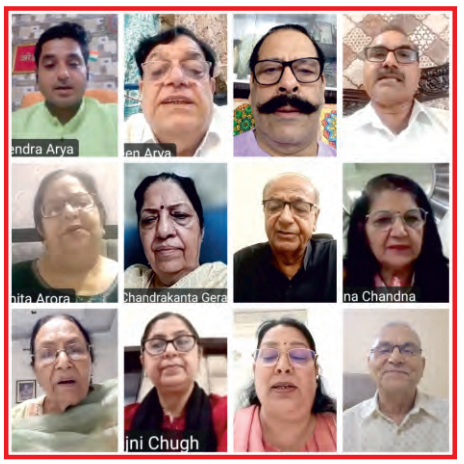

शनिवार,14 सितम्बर 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'हिन्दी दिवस' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने राष्ट्र भाषा स्वीकार किया था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हिन्दी को दैनिक व्यवहार में लाने का संकल्प लें तभी हिन्दी अपना गौरव पूर्ण स्थान बना पाएगी।उन्होंने कहा कि हिन्दी को दिनचर्या का हिस्सा बनाने से ही इसका विकास होगा।हिन्दी में अन्य भाषाओं की मिलावट चिन्ताजनक है इससे हिन्दी खिचड़ी बनकर अपना वास्तविक स्वरूप खोती जा रही है।उन्होंने कहा कि भारत के स्वाभिमान के प्रतीक हिन्दी जिसे माथे की बिन्दी भी कहा जाता है, आज उर्दू वा अंग्रेजी के भीषण संक्रमण का शिकार हो रही है।विदेशी आयातित भाषाओं की घुसपैठ इस स्तर पर पहुंच गई है कि हम भारतीय भी यह पहचान ने में विस्मृत हो जाते हैं कि यह शब्द उर्दू का है या अंग्रेजी का है,मुगलों वा अंग्रजों की पराधीनता की प्रतीक उर्दू वा अंग्रेजी के इन शब्दों को चुन चुन कर हमें वाणी और लेखनी से बाहर फेंकना होगा,तभी हमारा हिन्दी दिवस मनाना सार्थक होगा।यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि स्वाधीनता के लंबे समय के बाद भी हम हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सम्मान नहीं दिला पाए।स्वभाषा के बिना स्वाधीनता अधूरी है,राष्ट्र गूंगा है।मात्र एक दिवस ही नहीं पूरे 365 दिन हिन्दी को स्वाभिमान के साथ लिखने पढ़ने और बोलने का उपक्रम करना होगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि हिन्दी बोलने लिखने में हमे गौरव का अनुभव करना चाहिए।उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द ने भारत को जोड़ने की दूरदर्शिता को बहुत पहले समझा था और गुजराती होते हुए भी अपना सब साहित्य हिन्दी मे ही लिखा था। मुख्य अतिथि ओम सपरा ने कहा कि स्वामी विरजानंद जी की पुण्य तिथि है वह व्याकरण के सूर्य थे और स्वामी दयानन्द सरस्वती को शिक्षा दी। आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि माँ तो माँ ही होती है हमे दैनिक जीवन में हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। गायिका प्रवीना ठक्कर, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, शोभा बत्रा, पिंकी आर्य, सुनीता अरोड़ा, विजय खुल्लर, रविन्द्र गुप्ता आदि ने मधुर गीत सुनाए।

'राष्ट्र प्रगति में बाधक तत्व' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्र प्रगति में बाधक तत्वों का मुकाबला करे –प्रो.नरेन्द्र आहूजा विवेक

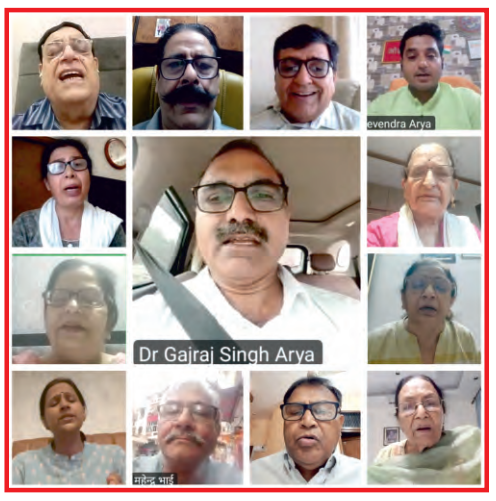

मंगलवार 10 सितम्बर 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'राष्ट्र प्रगति में बाधक तत्व' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 670 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. नरेन्द्र आहूजा विवेक ने विस्तार से उन विषयों पर चर्चा की जो राष्ट्र की प्रगति में बाधक हैं।प्रोफेसर विवेक ने वेद पथ से विमुख होना,अपनी पुरातन सनातन वैदिक संस्कृति की जड़ों से कटना,सामाजिक कुरीतियों पाखंडों अंधविश्वासों द्वारा दीमक की तरह हमें अंदर से खोखला कर देना,पाश्चात्य अंधानुकरण की आंधी चलना, विकास के मायने को भूलना भोगवाद विलासिता बाजारवाद नग्नता को ही विकास मान लेना, विदेश और विदेशी वस्तुओं का मोह, ब्रेन ड्रेन,फूट डालो राज करो की नीति में फंसकर समाज का जाति गत कबीलों में बटना, नेताओं अपराधी और अधिकारियों का एक नापाक गठजोड़ बन जाना,भ्रष्टाचार को स्वीकार्यता मिलना,आतंकवाद नक्सलवाद और धार्मिक कट्टरता का फैलना आदि कुछ मुख्य कारण है जो हमारे राष्ट्र की प्रगति में बाधक है,अतः हमें चाहिए कि राष्ट्र उन्नति में सहायक बनें और प्रगति के बाधक तत्वों का मुकाबला करें। मुख्य अतिथि शिक्षाविद डॉ. गजराज सिंह आर्य व अध्यक्ष आर्य नेता देवेन्द्र आर्य बन्धु ने भी राष्ट्र निर्माण के लिए अग्रसर होने का आह्वान किया। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए राष्ट्र विरोधी तत्वों का मुकाबला करने की अपील की व प्रवीण आर्य (प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश) ने धन्यवाद ज्ञापन किया गायिका प्रवीना ठक्कर, कौशल्या अरोड़ा, सुदर्शन चौधरी, सुधीर बंसल, किरण सहगल, संतोष धर, रेखा, उषा सूद, सुनीता अरोड़ा, अंजु आहूजा आदि ने मधुर भजन सुनाए।

शिक्षाविद आशानंद शास्त्री का 124वाँ जन्मोत्सव सम्पन्न

फरीदाबाद, रविवार 15 सितम्बर 2024, आर्य नेता सुरेन्द्र शास्त्री (मंत्री आर्य समाज लाजपत नगर दिल्ली) के पूज्य पिता श्री आशानंद शास्त्री का 124 वाँ जन्मोत्सव मनाया गया। आचार्य विद्याप्रसाद मिश्र ने यज्ञ रचाया। आचार्य चन्द्र शेखर शास्त्री का उपदेश हुआ। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य, रमेश गाड़ी, जितेन्द्र तायल आदि ने शुभकामनाएं प्रदान की। पुष्पा शास्त्री ने कुशल संचालन किया। अलका आर्या व भारत भूषण आर्य ने धन्यवाद किया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970